ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

10-10-2024

पुराने संस्कार तो मोटी चीज़ हैं अब पुराने संकल्प भी खत्म होने चाहिए। पुराने संस्कार उत्पन्न होने का कारण है विस्मृति। अपनी विस्मृति के कारण व्यर्थ बातें सहज को मुश्किल बना देती हैं। कोई न कोई संस्कारों में अगर यह देह का वस्त्र चिपका हुआ है अर्थात् तंग, टाइट है, तो उतर नहीं सकता। जब सभी संस्कारों से न्यारे हो जायेंगे तो फिर अवस्था भी न्यारी-प्यारी फरिश्ता समान हो जायेगी।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

Old sanskars are a gross thing, but now even old thoughts (thoughts of the past) have to be finished. The reason for old sanskars emerging is forgetfulness. Because of your forgetfulness, the wasteful things make everything difficult. If the costume of your body clings to one sanskar or other, that is, if the costume is tight, you will not be able to remove it. When you become detached from all sanskars, then your stage will become loving and detached, like that of an angel.